

अपी है ये माला में, देवा तेरे नाम की ^{ssss} देवा तेरे नाम की ^{ssss} देवा तेरे नाम की ^{ssss}
शोभा करनी ना अपी, अमर कंठ धाम की ^{ssss} अमर कंठ धाम की ^{ssss} अमर कंठ धाम की ^{ssss}
अपी है ये - - - - - शोभा करनी ना - - - - -

१) उदय तेश बड़ा सुहमा - पर्वतों ने घेरा ।
चहूँ ओर होखाली दारि - सब देवों का डेरा ॥
भारती नित होती यहाँ, सुबह - मध्य - शाम की ^{ssss} ॥२॥
अपी है ये - - - - - शोभा करनी ना - - - - -

२) बालरूप तेश सुखदाई - मन प्रसन्न कर देता ।
मैं का दर्शन ऐसा है कि, कष्ट सभी हर लेता ॥
नहीं है जरूरत मुझे - धन और दम की ^{ssss} ॥२॥
अपी है ये - - - - - शोभा करनी ना - - - - -

३) पूरव से पश्चिम जलधारा - ये है एक अचम्बा ।
इसकी जलधारा में नहती - क्या दुर्गा क्या अम्बा ॥
है सबको मालूम ये कथा, नहीं कभी की ^{ssss} ॥२॥
अपी है ये - - - - - शोभा करनी ना - - - - -

४) घाट घाट की महिमा न्यासी - सिद्धों के स्थान ।
हर कंकड़ शंकर कर लाया - मैं की शक्ति महान ॥
ओंकारेश्वर - शूलपाठेश्वर, ज्योतिर्लिंग भगवान की ^{ssss} ॥२॥
अपी है ये - - - - - शोभा करनी ना - - - - -

५) निर्विकार पथ में से पाया और विधियों का खजाना ।
निर्विकार होकर मैं से, हर इच्छा फल पाना ॥
मिले शान्ति मानव को ये सेवा है निरकाम की ^{ssss} ॥२॥
अपी है ये - - - - - शोभा करनी ना - - - - -

६) बालरूप में चली भवानी - सागर रूप बनाया ।
रत्न सागर नाम है इसका - "श्री बाबा श्री" को माया ॥
तनू प्राण जब मिले जगह, अन्त समय विश्राम की ^{ssss} ॥२॥
अपी है ये - - - - - शोभा करनी ना - - - - -